

**फलेमिन्जिया सेमिअलाता पर वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से बूँडू एवं खूँटी के ग्रामीणों की सामाजिक-आर्थिक उत्थान" के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**

फलेमिन्जिया सेमिअलाता पर वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वन उत्पादकता संस्थान द्वारा, 3 फरवरी 2015 को रांची के आदिवासी बहुल वन क्षेत्र बूँडू में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें प्रमुख रूप से प्रगतिशील कृषक, महिला समितियाँ, गैर सरकारी संगठन जे. सी. बी. सेवा संस्थान एवं तिलमा पंचायत के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता थे। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से सब्जियों के साथ अंतरासस्यन के रूप में बंजर भूमि पर फलेमिन्जिया के पौधे पर वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के लिए हितधारकों को प्रेरित करना था।

इस संस्थान के निदेशक डॉ. एस. ए. अंसारी, ने किसानों को परम्परागत लाह की खेती के साथ साथ फलेमिन्जिया पर भी लाह लगाने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने हितधारकों को वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से अधिकतम लाभ पाने के बारे में विस्तृत रूप से बताया। प्रगतिशील कृषक श्री बहला पाहन एवं गैर सरकारी संगठन के श्री विवेक भसीन ने फलेमिन्जिया पर लाह की खेती पर अपने अनुभव और समय समय पर आनेवाली समस्याओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. शरद तिवारी, प्रमुख, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने वैज्ञानिक विधि से लाख की खेती पर जोर दिया। डा. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

प्रतिभागियों को श्री एस.एन. मिश्रा और श्री एस.एन. वैद्य ने फलेमिन्जिया सेमिअलाता पर वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के साथ साथ परंपरागत रूप से बेर, पलास एवं कुसुम के पौधों की छंटाई, लाह लगाने, कीट नियंत्रण, समय समय पर कीटनाशकों के छिडकाव की विधि, लाह का भण्डारण, परिपक्वता पर लाह की कटाई के लिए विस्तृत प्रशिक्षण के साथ साथ महत्वपूर्ण क्रियाकलापों का प्रदर्शन किया। कुसुमी लाख की खेती के कूप प्रणाली को भी विस्तार से समझाया गया।

किसानों से भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संशोधन के लिए विस्तृत प्रतिक्रिया ली गयी। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उल्लेखनीय है। उन्होंने फलेमिन्जिया पर भी लाह लगाने की इच्छा जताई। सभी प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक पद्धति से बेहतर लाख की खेती पर जागरूकता और संवेदीकरण प्रदान करने के लिए तथा पाठ्यक्रम सामग्री की सराहना की।

## **One day Training programme for the socio-economic upliftment of villagers through scientific Lac Cultivation on *Flemingia semialata* in Bundu Block, Ranchi**

One day training programme for the socio-economic upliftment of villagers through scientific Lac Cultivation on *Flemingia semialata* was organized at tribal dominated forest area at Bundu by the Institute of Forest Productivity (IFP), Ranchi on 3<sup>rd</sup> February, 2015. The training was aimed towards dissemination of improved methods of lac cultivation. More than 100 participants consisting of progressive farmers, Mahila Samitis, representative of Tilma Panchayat, JCBSF NGO, and Social Activists attended the training programme. The main objective for organizing such training was to motivate the stakeholders for the scientific lac cultivation especially on wasteland and with intercropping with vegetables.

Dr. S.A. Ansari, Director, IFP, Ranchi encouraged trainees for adoption of lac cultivation on *Flemingia* as well as on the traditional lac host trees. He explained as to get maximum benefits through scientific lac cultivation. Progressive farmer, Shri Bahla Pahan and representative of NGO, Shri Vivek Bhasin shared their experience of Lac cultivation on *Flemingia* to the participants. Dr Sharad Tiwari, Head, Agroforestry & Extension Division put his emphasis on revival of the Lac cultivation in the area with scientific approach. Dr. Tiwari also proposed vote of thanks.

During course of training Shri S.N. Mishra and Shri S.N. Vaidya demonstrated tree pruning methods, handling and inoculation of broodlac on *Flemingia* as well as on the trees of Ber and Palas, application of pesticides for control of pests, harvesting and storage of sticklac at maturity. The coupe system of Kusumi lac cultivation has also explained in detail.

Remarkably, the participation of women was very high. They took keen interest for cultivation of lac on *Flemingia*. The detailed feedback from the farmers has been taken for further modifications in the training programmes to be conducted in future. All the participants appreciated the course content and applauded for providing awareness and sensitization on scientific and improved lac cultivation methods.



Dr. S.A. Ansari, Director, IFP, Ranchi encouraging trainees for adoption of lac cultivation on Flemingia



Trainees showing keen interest on training



Lady of Gram Mahila Samiti experiencing harvesting technique



Shri S.N. Vaidya demonstrating harvesting technique of sticklac on Flemingia